No. of Printed Pages : 6

BPYC-132

BACHELOR OF ARTS (GENERAL) – PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

December, 2021

BPYC-132 : ETHICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer* ***all five*** *questions. All questions carry equal marks. Answers to question nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about 400 words each.*

1. What is the categorical imperative ? Critically appraise Kant's deontological ethics. *20*

OR

What is ethical naturalism ? Discuss G.E. Moore's criticism of the same. *20*

2. "Reason is the slave of passion." Discuss in the light of Hume's views on morality. *20*

OR

Critically evaluate Aristotle's views on virtue ethics. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) What is the role of reason in morality ? Explain. *10*

(b) Bring out the basic assumptions of Utilitarianism. *10*

(c) What is Elizabeth Anscombe's notion of virtue ? On what grounds does she criticise Mill and Kant ? *10*

(d) Discuss the idea of moral action as presented in Hinduism. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Write a note on the relation between religion and ethics. *5*

(b) What is the role of free will in moral behaviour ? *5*

(c) Describe the principles of Buddhist moral philosophy. *5*

(d) "Virtue is knowledge." Comment. *5*

(e) What are the basic assumptions of moral relativism ? *5*

(f) Explain the idea of hypothetical imperative with an example. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Cardinal Virtues *4*

(b) Vice *4*

(c) Nishkama Karma *4*

(d) Descriptive Relativism *4*

(e) Good Will *4*

(f) Teleology *4*

(g) Free Will *4*

(h) Voluntary Action *4*

कला स्नातक (सामान्य) – दर्शनशास्त्र (बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

बी.पी.वाई.सी.-132 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं.* ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. निरपेक्ष आदेश क्या है ? कांट के कर्तव्यमूलक नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *20*

अथवा

नैतिक प्रकृतिवाद क्या है ? जी.ई. मूर की नैतिक प्रकृतिवाद की आलोचना पर चर्चा कीजिए । *20*

2. "तर्कबुद्धि वासना की दासी है ।" ह्यूम के नीतिदर्शन (नैतिकता) के आलोक में चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

अरस्तू के सद्गुण नीतिशास्त्र का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) नैतिकता में तर्कबुद्धि की क्या भूमिका है ? व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) उपयोगितावाद की मुख्य प्राकल्पनाओं (assumptions) पर प्रकाश डालिए । *10*

(ग) ऐलिज़ाबेथ एन्सकॉम्बे की सद्गुण की अवधारणा क्या है ? वह मिल और कांट की आलोचना किस आधार पर करती है ? *10*

(घ) हिन्दू धर्म में प्रस्तुत नैतिक कर्म के विचार पर चर्चा कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) धर्म एवं नीतिशास्त्र के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए । *5*

(ख) नैतिक व्यवहार में स्वतंत्र-संकल्प की क्या भूमिका है ? *5*

(ग) बौद्ध दर्शन के नीतिशास्त्र के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए । *5*

(घ) "सद्गुण ज्ञान है ।" टिप्पणी कीजिए । *5*

(ङ) नैतिक सापेक्षतावाद की मुख्य पूर्वमान्यताएँ क्या हैं ? *5*

(च) सापेक्ष आदेश के विचार की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रधान सद्गुण *4*

(ख) अवगुण *4*

(ग) निष्काम कर्म *4*

(घ) वर्णनात्मक सापेक्षतावाद *4*

(ङ) सद् इच्छा *4*

(च) उद्देश्यमूलकतावाद *4*

(छ) स्वतंत्र-संकल्प *4*

(ज) ऐच्छिक कर्म *4*